

मन मारा थारे कई विधि समझाऊं कबीर भजन लिरिक्स



मन मारा थारे कई विधि समझाऊं,
मनवा थारा मते चलूँ तो,
सीधा नरक लई जावे,
मन म्हारा थारे कई विधि समझाऊं।bd।

अरे सोना होय तो सुहाग मंगाऊं,
बंद नाल दस लाऊं,
ग्यान सबद री फुक लगाऊं,
अंतर तार खिचाऊं,
पंके नाल ऊलटाउरे बीरा मारा
किणे वीदे के समजाऊ जी।bd।

अरे घोडो होवे तो लगाम लगाउ,
भाई उपर जीणे कसाऊ जी,
होय सवार थारे उपर बेटु,
चापक चाले चलाउ जी,
मन म्हारा थारे कई विधि समझाऊं।bd।

अरे हाथी होय जजीर लगाऊ,
भाई चाराई पैर बन्दाउ जी,
अरे होय महावत उपर बटु,
होय अमावत उपर बटु अरे,
अंकुस दे समजाउ,
मन म्हारा थारे कई विधि समझाऊं।bd।

लोया होव तो ऐरण मंगाऊं,
उपर धमण धमाउ,
धमण की गणे गोरे मचाउ,
पानी कर पिघलाऊं,
मन म्हारा थारे कई विधि समझाऊं।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



सत को मार्ग लखाऊँ,
कहे कबीर सुनो भाई साधो,
अमरापुर पहुंचाऊँ,
मन म्हारा थारे कई विधि समझाऊँ।bd।

मन मारा थारे कई विधि समझाऊँ,
मनवा थारा मते चलूँ तो,
सीधा नरक लई जावे,
मन म्हारा थारे कई विधि समझाऊँ।bd।

प्रेषक – रूपलाल लौहार
M. 9680208919
